Krishi Kumbh
Www.KrishiKumbh.Com
कृषि कुंभ
E-ISSN: 2582-9769

कृषि कुंभ
हिंदी मासिक पत्रिका

खण्ड 04 भाग 01, (जुन, 2024)
पृष्ठ संख्या 22–26

कटिहार जिले में उधानिकी: एक परिदृष्य

डॉ0 महेन्द्र पाल[1], डॉ0 दिलीप कुमार महतो एवं डॉ0 कुमारी शारदा

[1]सहायक प्राध्यापक–सह–कनीय वैज्ञानिक उधान (फल),
जूट अनुसंधान संस्थान, कटिहार
[2]सह–निदेशक अनुसंधान, क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, जोन–II, अगवानपुर, सहरसा
[3]वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान, कृषि विज्ञान केन्द्र, कटिहार, भारत।

Email Id: –mahendra1977@yahoo.co.in

बिहार राज्य एक विविधतापूर्ण जलवायु से युक्त राज्य है। बिहार राज्य में उधानिकी फसलें लगभग 1185.36 हजार है0 क्षेत्रफल उगायी जाती है एवं 21202.97 हजार मैट्रिक टन उत्पादन होता है (एन0 एच0 बी0 2018–19)। वर्तमान समय में बिहार राज्य को भारत में लीची फल के उत्पादन मे प्रथम, अमरूद के उत्पादन में चतुर्थ एवं अन्नास के उत्पादन में पंचम स्थान प्राप्त है।

कटिहार भारत के बिहार राज्य का एक ज़िला है। जो पूर्वी बिहार में स्थित है। कटिहार जिला, पूर्णिया प्रमंडल का एक हिस्सा है। जो 3,056 वर्ग कि.मी. में फैला हुआ है। कटिहार जिले में 3 अनुमंडल (कटिहार, बारसोई, मनिहारी) तथा 16 प्रखण्ड (कटिहार, डंडखोरा, हसजंगज, कोढ़ा, समेली, फलका, कुर्सेला, बरारी, मनसाही, प्राणपुर, बारसोई, बलरामपुर, आज़मानगर, कदवा, मनिहारी और अमदाबाद) हैं।

कटिहार जिला गंगा, कोशी, महानंदा और रिगा प्रमुख 4 प्रदियों से घिरा हुआ है। मक्का, गेहूं, केला और धान और दलहन जिले की प्रमुख फसलें हैं। जिले में सब्जियों का भी अच्छा उत्पादन होता है, जिसमें आलू, प्याज और फूलगोभी प्रमुख हैं इस क्षेत्र में चावल उद्योग एक समृद्ध व्यवसाय है। समूह में शामिल होने के लिए कृषि आधारित उद्योग में से एक, मखाना उत्पादन भी तेजी से बढ़ रहा है।

कपास और साड़ी में काम करने वाला कपड़े बाजार बहुत ही जीवंत है और पास के जिले के साथ नेपाल और बांग्लादेश के सीमावर्ती देशों के मांग को पूरा करता है। फार्मास्युटिकल्स कारोबार बहुत अच्छा है।

कटिहार जिलें का भौगोलिक परिदृश्य

भू–उपयोग परिदृश्य	भौगोलिक क्षेत्रफल	जोत योग्य क्षेत्रफल	वन क्षेत्र	कृषि के अलावा भूमि उपयोग का क्षेत्रफल	स्थायी धास के मैदान	जोत योग्य बेकार भूमि	अन्य भूमि	बैरन एवं बेकार भूमि	अन्य परती भूमि
क्षेत्रफल (000 है0)	291.349	146.927	1. 785	39.591	0.282	0.812	10. 753	22.289	9.038

मानचित्रः– बिहार राज्य के कृषि जलवायु जोन

कटिहार जिले में स्थानीय स्तर पर नदियों के किनारे दोमट मिटटी एवं बालू मिटटी बहुतायत से पायी जाती है। कृशि विज्ञान केन्द्र, कटिहार के मृदा वर्गीकरण के अनुसार ऊपरी भूमि में रेतीली मृदाऐं, मध्यम में बलुई, निचली मिटिटयॉ चिकनी एवं दोमट मिटिटयॉ कटिहार में प्राकृतिक उपहार के प्रतीक है।

मानचित्रः– कटिहार जिलें में वार्षिक वर्षा

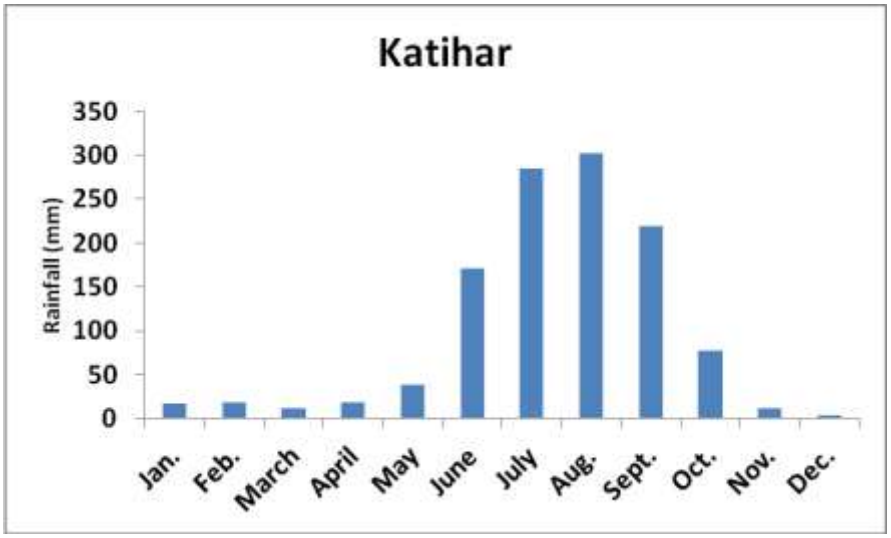

मानचित्रः– कटिहार जिले की मृदाएं

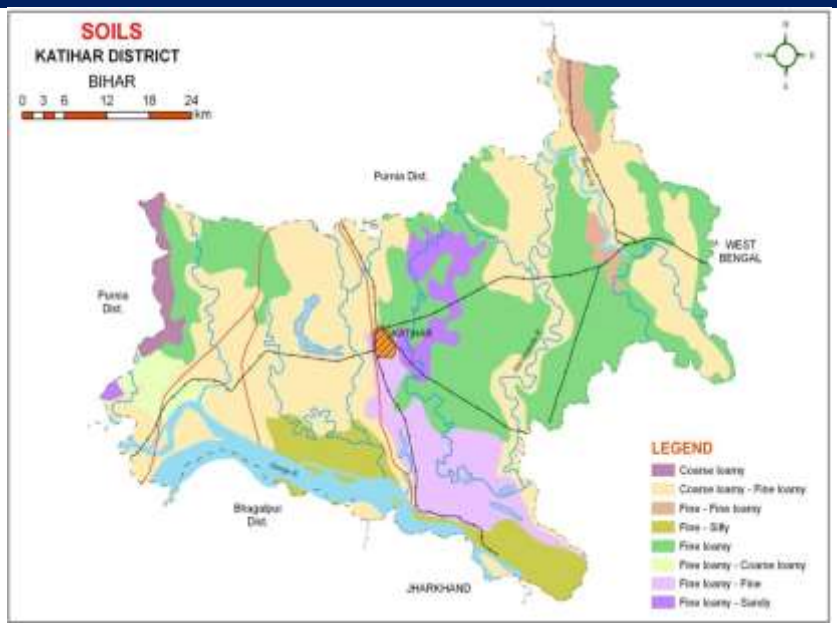

तालिका 1: बिहार राज्य में जिलेवार उधानिकी फसल अर्न्तगत क्षेत्रफल एवं उत्पादन (वर्षः 2018–19)

जिले का नाम	क्षेत्रफल (000 हैं0)	उत्पादन (000 मै0 टन)
मुफफरपुर	5.28	271.47
वै ाली	3.40	142.08

समस्तीपुर	2.31	102.95
दरभंगा	1.33	72.26
मधेपुरा	1.42	69.38
भागलपुर	1.35	54.62
पूर्वी चम्पारण	1.20	52.47
स्हरसा	1.21	52.97
प ि चमी चम्पारण	1.10	51.97
मधुबनी	1.0	49.27
खगाडिया	1.10	42.67
बेगुसराय	1.02	45.85
ध्णिंयॉ	1.10	42.67
कटिहार	1.51	42.87

तालिका 2: बिहार राज्य में उधानिकी फसलो अर्न्तगत के वर्तमान आंकडें

उधानिकी फसल का नाम	क्षेत्रफल (000 हैं0)	उत्पादन (000 मै0 टन)	सबंधित जिले
टाम	104.53	283.28	दरभंगृ समस्तीपुर, मुजफफरपुर, पूर्वी चम्पारण, वैशाली, भागलपुर, पश्चिमी चम्पारणए मधुबनी, रोहतास, बांका, सीतामढी, भोजपुर, बेगुसराय, पटना एवं सारण
अन्नास	03.81	103.58	किशनगंज एवं पूणिंयॉ
बीन्स	09.03	73.30	कटिहार, नालंदा, सिवान, दरभंगृ समस्तीपुर, मुजफफरपुर, पूर्वी चम्पारण, वैशाली, भागलपुर, पश्चिमी चम्पारणए मधुबनी, रोहतास, बांका, सीतामढी, भोजपुर,
लौकी	30.11	451.75	नालंदा, पटना, सहरसा, सीतामढी, गोपालगंज, कटिहार, नालंदा, सिवान, दरभंगृ समस्तीपुर, मुजफफरपुर,, पूर्वी चम्पारण, वैशाली, भागलपुर, पश्चिमी चम्पारण, मधेपुरा, ध्णिंयॉ, बेगुसराय, सीवान
बैगन	37.95	845.50	नालंदा, पटना, सहरसा, सीतामढी, गोपालगंज, नालंदा, सिवान, दरभंगृ समस्तीपुर, मुजफफरपुर,, पूर्वी चम्पारण, वैशाली, भागलपुर, पश्चिमी चम्पारण, मधेपुरा, ध्णिंयॉ, बेगुसराय, सीवान, खगडिया
पत्तागोभी	25.42	475.28	नालंदा, पटना, कटिहार, गोपालगंज, नालंदा, सिवान, दरभंगृ समस्तीपुर, मुजफफरपुर,, पूर्वी चम्पारण, वैशाली, भागलपुर, पश्चिमी चम्पारण, ध्णिंयॉ, बेगुसराय, सारण

तालिका 3: कटिहार जिलें मे उधानिकी फसलो की उत्पादकता

क0 स0	फसलों का नाम	उत्पादकता
1	आलू	535.36
2	भिन्डी	200.79
3	फूलगोभी	250.69

क्र0 स0	फसलों का नाम	उत्पादकता
4	बैंगन	600.80
5	केला	352.00
6	टमाटर	315.79
7	पत्ता गोभी	289.90
8	मिर्च	21.60
9	आम	103.90
10	अमरूद	114.00
11	लीची	150.00
12	मखाना	25.00
13	प्याज	400.86

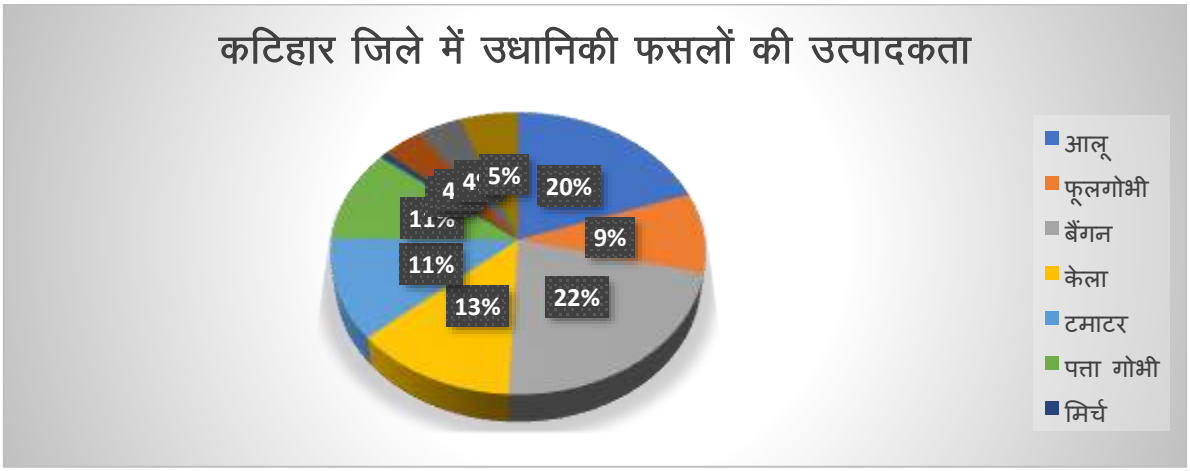

कटिहार की बंजर भूमि को उपजाऊ बनाने तथा बंजर जमीन पर आंवला, ड्रैगन फ्रूट, सहित अन्य मौसमी फल, सब्जी एवं लकड़ी के महत्वपूर्ण पेड़ लगाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने की सरकार ने योजना तैयार की है। उद्यान विभाग द्वारा इस योजना पर कार्य किया जाएगा। इच्छुक किसानों को खेती के लिए अनुदान भी दिया जाएगा। राष्ट्रीय बागवानी क्षेत्र विस्तार योजना से बंजर भूमि को उपजाऊ बनाकर खेती लायक बनाने तथा कृषि योग्य भूमि कर रकवा बढ़ाने के साथ ही किसानों को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा तथा विभाग द्वारा कम उर्वरा शक्ति वाले व बंजर जमीन की पहचान कर किसानों को इस योजना से जोडने को लेकर जागरूक किया जा रहा है।